6 राज्य : 3 केंद्रशासित प्रदेश : 22 संस्करण
राजधानी
वर्ष 15 अंक 224 पृष्ठ : 14+6=20
मूल्य : सात रुपये

अमर उजाला

amarujala.com
लखनऊ
शनिवार, 11 फरवरी 2023
फाल्गुन कृष्ण-पंचमी
विक्रम संवत-2079

UP निवेश का महाकुंभ ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023

लखनऊ में शुक्रवार को आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। साभार

पीएम ने किया यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का उद्घाटन

आह्वान : उद्योगपतियों के लिए तैयार यूपी की नौकरशाही व सरकार

संभावनाओं से भरा है यूपी विकास में साझीदार बनें

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कानून-व्यवस्था, शांति व स्थिरता के रूप में उत्तर प्रदेश के बदले माहौल का हवाला देते हुए दुनिया भर के निवेशकों से यहां निवेश के लिए आह्वान किया। कहा कि यूपी संभावनाओं से भरा राज्य है। इसके विकास के लिए डबल इंजन सरकार का दृढ़ इरादा है। इसलिए इससे बेहतर साझेदारी हो ही नहीं सकती। उन्होंने कहा, इस समय को निवेशकों को गंवाना नहीं चाहिए।

पीएम मोदी शुक्रवार को राजधानी में यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023 का उद्घाटन करने के बाद लोगों को संबोधित कर रहे थे। पीएम ने कहा भारत के उज्ज्वल भविष्य में दुनिया के उज्ज्वल भविष्य की गारंटी है। खुद को यूपी का सांसद बताते हुए हुए निवेशकों को भरोसा दिया कि उत्तर प्रदेश की आज की सरकार और नौकरशाही प्रगति की राह पर दृढ़ संकल्प के साथ चल पड़ी है। ये आपके सपनों को साकार करने के लिए और आपके संकल्पों को सिद्ध करने के लिए अद्भुत बनकर खड़े हैं। उन्होंने कहा कि, इसी विश्वास के साथ देश और दुनिया के निवेशकों को अपने उत्तर प्रदेश की धरती पर निवेश के लिए आमंत्रित करता हूं।

भारत का टेक्सटाइल हब यूपी

मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग में 60 फीसदी शेयर

मोदी ने कहा कि नई तेलंगु और सप्लाई चेन विकसित करने के लिए यूपी आज एक नया पॉइंट बनकर उभर रहा है। पर्यटन और आधुनिकता से जुड़े उद्योगों का और एक्सप्रेसवे का सशक्त नेटवर्क यूपी में मौजूद है। भारतीय कॉटन क्लस्टर और वाराणसी सिल्क क्लस्टर की वजह से यूपी भारत का टेक्सटाइल हब है। भारत के कुल मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग में 60 प्रतिशत हिस्सेदारी उत्तर प्रदेश की है। मोबाइल कंपोनेंट का सबसे ज्यादा निर्माण कार्य भी यूपी में हो रहा है।

कहा- सुशासन, स्थायित्व व शांति उत्तर प्रदेश की पहचान

5-6 साल में प्रदेश की बनी नई पहचान

पीएम ने कहा कि पहले लोग कहते थे कि यूपी का विकास होना मुश्किल है। यहां की कानून-व्यवस्था सुधरना नामुमकिन है। यूपी बीमारू राज्य कहलाता था। आए दिन हजारों करोड़ के घोटाले होते थे। हर कोई यूपी से अपनी उम्मीदें छोड़ चुका था। लेकिन, सिर्फ 5-6 साल के भीतर यूपी ने अपनी एक नई पहचान स्थापित कर ली है। अब यूपी को सुशासन, बेहतर कानून-व्यवस्था, शांति व स्थिरता से पहचाना जा रहा है। अब यहां धन पैदा करने वालों के लिए नए अवसर बन रहे हैं।

- बीते कुछ वर्षों में यूपी के इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार के परिणाम नजर आ रहे हैं। बिजली से लेकर कनेक्टिविटी तक हर क्षेत्र में सुधार आया है। बहुत जल्द यूपी देश के उस इकलौते राज्य के तौर पर भी जाना जाएगा, जहां 5 इंटरनेशनल एयरपोर्ट हैं। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर से यूपी सीधे गुजरात और महाराष्ट्र के बंदरगाह से जुड़ता जा रहा है। यूपी में सालाना सोलर और ऑयल (पहुंच) में कारोबारी सुगमता (ईज ऑफ द डूइंग बिजनेस) के लिहाज से सार्थक बदलाव आया है।

फूड प्रोसेसिंग सेक्टर में स्कीम का उठाएं लाभ

पीएम ने कहा, यूपी में डेयरी, मिलेट्स, एग्रीकल्चर और फूड प्रोसेसिंग सेक्टर में अनेक संभावनाएं हैं। फलों और सब्जियों को लेकर बहुत विविधता है। हम फूड प्रोसेसिंग के लिए प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) स्कीम लेकर आए हैं। इसका लाभ निवेशकों को जरूर उठाना चाहिए।

राजनाथ को बताया कर्मवीर

पीएम ने कहा, यूपी डिफेंस कॉरिडोर पर तेजी से काम चल रहा है। मेड इन इंडिया डिफेंस इक्विपमेंट की डिमांड निरंतर बढ़ रही है। भारतीय सेना की भी हम अधिक से अधिक मेड इन इंडिया डिफेंस सिस्टम और डिफेंस प्लेटफॉर्म देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस मामले काम का नेतृत्व यूपी सरकार की मंत्री के कर्मवीर राजनाथ सिंह (रक्षा मंत्री) संभाल रहे हैं। ऐसे समय में जब भारत एक बाइबेट डिफेंस इंडस्ट्री का विकास कर रहा है, तो फर्स्ट मूवर एडवांटेज यानी पहले आकर लाभ लेना चाहिए।

यूपी विकास का ग्रोथ इंजन

योगी बोले, समिट दस खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था का अभिन्न हिस्सा

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी अब बीमारू राज्य के दंश से बाहर निकलकर देश के विकास का ग्रोथ इंजन बन रहा है। बीते छह वर्षों में यूपी में काफी परिवर्तन हुआ है। विकास की दृष्टि से पिछड़ा माने जाने वाले पूर्वांचल में 9.50 लाख करोड़ रुपये और बुंदेलखंड क्षेत्र में 4.27 लाख करोड़ रुपये के निवेश पर काम हुए हैं।

यहां वृंदावन योजना में आयोजित समिट में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में नवीनीकृत ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक्स, निर्माण, सिडा, हार्डवेयर, लॉजिस्टिक, रियल एस्टेट, पर्यटन, कपड़ा, ऊर्जा उत्पादन, खाद्य प्रसंस्करण, डेयरी, बायोफ्यूल के क्षेत्र में निवेश हुआ है। मुख्यमंत्री ने निवेशकों को आश्वासन दिया कि सरकार बेहतर प्रशासन और व्यापार की सुगमता प्रदान करेगी। निवेशकों के हित और निवेश पॉलिसी के अनुसार उन्हें सहयोग करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन्वेस्टर्स समिट यूपी को दस खरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था वाला राज्य बनाने का अभिन्न हिस्सा है। समिट में साझेदार देशों यूके, जापान, दक्षिण कोरिया, इटली, सिंगापुर, आस्ट्रेलिया, यूएई, नीदरलैंड, मॉरीशस और डेनमार्क के साथ अन्य देशों के प्रतिनिधियों ने शामिल होकर निवेश के महाकुंभ के रूप में नया स्वरूप प्रदान किया है।

राजदूतों ने ट्रिपल टी अभियान में भारतीय राजदूतों ने पूरा सहयोग देकर यूपी में ट्रेड, टूरिज्म और टेक्नोलॉजी के अभियान को आगे बढ़ाने में पूरा सहयोग किया।

निवेश के चार प्रमुख स्तंभ

मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेश बढ़ाने और निवेशकों की सुविधा के लिए प्रमुख स्तंभ हैं।

- पहला निवेश मित्र पोर्टल है। इसके जरिए 35 विभागों की 406 सेवाएं मिल रही हैं।
- दूसरा निवेश साथी है, जहां निवेशकों की जिज्ञासा और समस्या का समाधान होता है।
- तीसरा अंतरराष्ट्रीय इंवेस्टमेंट मिस्सन और चौथा उद्यमी मित्र है।

पांच वर्षों में निर्यात दोगुना

मोदी ने कहा कि यूपी ने छह वर्षों में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में अच्छी सफलता हासिल की है। पांच वर्षों में निर्यात को दोगुना किया है।

इन संस्थाओं ने किया सहयोग

मुख्यमंत्री ने बताया कि समिट के आयोजन में यूएस इंडिया स्ट्रेटजिक पार्टनरशिप फोरम, यूके-इंडिया बिजनेस काउंसिल, इंडू इन्वेस्टमेंट इंडिया चेंबर, ऑस्ट्रेलिया इंडियन बिजनेस काउंसिल, फिक्की, सीआईआई, मदर इंडिया चेंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्री, जेट्टो, अपू चाचो चेंबर ऑफ कामर्स, इंडियन इंडस्ट्री चेंबर, लघु भारती जैसी सभी प्रमुख व्यापारिक संस्थाओं ने सहयोग दिया है।

25 सेक्टरों की निवेश नीति जारी

मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेश के महाकुंभ के जरिए सरकार ने ग्रीन हाइड्रोजन, नवीनीकृत ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक्स, डिफेंस, एयरोस्पेस, खाद्य प्रसंस्करण, डेयरी, फार्मा, हार्डवेयर और लॉजिस्टिक सहित 25 सेक्टर की निवेश नीति जारी की थी। सभी सेक्टर में सरकार को अच्छी संख्या में निवेश प्रस्ताव मिले हैं।

किया सहयोग : मुख्यमंत्री ने कहा कि समिट के लिए यूपी के मंत्रिमंडल ने 16 देशों के 21 शहरों में रोड शो किया। विदेश में रोड शो के दौरान यहां सैकड़ों निवेश मित्र पोर्टल है। इसके जरिए 35 विभागों की 406 सेवाएं मिल रही हैं।

उद्योगपति बोले

दिसंबर तक 5-जी तकनीक से जुड़ेगा यूपी का हर गांव व शहर

मुकेश अंबानी
चेयरमैन, रिलायंस ग्रुप

यूपी का प्रत्येक गांव व शहर इसी वर्ष दिसंबर तक 5जी तकनीक से जुड़ जाएगा। जैसे आज दुनिया के लिए भारत आशा का केंद्र है। वैसे ही नए भारत के लिए यूपी आशा का केंद्र बन रहा है। नोएडा से गोरखपुर तक लोगों में जोश और उत्साह दिख रहा है। बेहतर कानून व्यवस्था, ढांचागत विकास, व्यापार की सुगमता में उत्तर प्रदेश उत्तम प्रदेश बनकर उभरा है। रिलायंस ग्रुप यूपी के लिए 'योगदान' से काम करेगा।

देश के प्रमुख शहरों से जुड़ेंगे यूपी के शहर

एन चंद्रशेखरन
चेयरमैन, टाटा संस

कंपनी यूपी के प्रमुख शहरों से देशभर के प्रमुख शहरों के लिए हवाई सेवाएं शुरू करेगी। उत्तर प्रदेश में कृषि, मैन्युफैक्चरिंग और पर्यटन सेक्टर में निवेश के जरिये आर्थिकता को मजबूत करने की संभावनाएं हैं।

प्रदेश सरकार की नीतियों से विकास की गति तेज

सुनील वधवा
किशन कंपनी के संस्थापक

मेरी कंपनी को यूपी में शुरुआत एक टीवी बनाने वाली फैक्टरी से हुई थी। आज मोबाइल, लाइटिंग लाइट और टीवी को अब कैटगिरी शिफ्टीन हैं। देश में उपयोग होने वाले मोबाइल में से 65 फीसदी यूपी में बनते हैं। 40 प्रतिशत एक्सपोर्ट यूपी में बनते हैं। यह प्रदेश सरकार की नीतियों के बिना संभव नहीं है।

यूपी प्लस योगी, बहुत उपयोगी

कुमार मंगलम बिड़ला
चेयरमैन, आदित्य बिरला ग्रुप

यूपी निवेश के लिहाज से उत्तम प्रदेश बन चुका है। निवेश मित्र की पहल सराहनीय है। दिसंबर 2022 तक यूपी में 1.1 बिलियन डॉलर एफडीआई आया है। यह पिछले दो दशकों में सर्वाधिक है। विधानसभा चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री ने 'यूपी प्लस योगी बहुत है उपयोगी' का नारा दिया था। आज उसी से विकास हुआ है। बड़ी रेल परियोजना और एयरपोर्ट बन रहे हैं। ढांचागत सुविधाएं सुविधाओं पर ध्यान दिया जा रहा है।

जेवर एयरपोर्ट पर 2024 से हवाई सेवा

इंजिनियर विवेक नीरज भी, अडानी एयरपोर्ट इंटरनेशनल लिमिटेड

जेवर में बन रहे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर 2024 से हवाई सेवाएं शुरू हो जाएंगी। जेवर एयरपोर्ट आधुनिक तकनीक से बना बड़ा एयरपोर्ट होगा। यहां बड़ी सुविधाओं के निर्माण से काफी कुछ नया होगा। मल्टीमॉडल एयरकार्गो भी बनाया जाएगा। एयरपोर्ट निर्माण में प्रदेश सरकार ने काफी सहयोग किया।

किस क्षेत्र को कितना निवेश

32,91,352 करोड़ का कुल निवेश आया

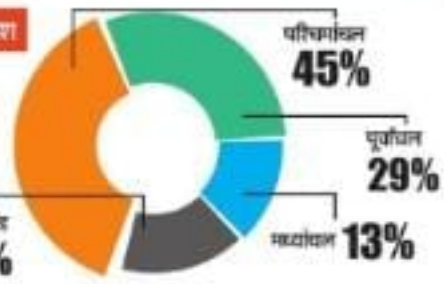

पहले दिल्ली में होती थी यूपी की इन्वेस्टर्स समिट

अब निवेश, निवेशक दोनों लखनऊ आते हैं

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि एक समय था कि पहले यूपी की इन्वेस्टर्स समिट भी दिल्ली में करने सरकार जाती थी। निवेशक लखनऊ आना ही नहीं चाहते थे। अगर निवेशक नहीं आना चाहता था, तो निवेश कैसे आता। अब लखनऊ में इन्वेस्टर्स समिट होती है। बड़ी संख्या में निवेशक और निवेश आए हैं। इससे यूपी के साथ भारत के विकास को मदद मिलेगी।

एमएसएमई और सहकारिता पर आयोजित सत्र में गृहमंत्री शाह ने कहा कि यह बदलाव सीएम योगी के नेतृत्व की सरकार के गांव बिंदुओं पर काम करने की वजह से हुआ। किसी राज्य में निवेश लाना है तो कानून-व्यवस्था, संसाधन, बेहतर नीतियां, पारदर्शिता से काम, त्वरित निर्णय लेने का मॉडलमंडल से। योगी सरकार ने ऐसा करके दिखाया है। योगी सरकार ने पारदर्शी तरीके से त्वरित निर्णय लेते हुए काम किए हैं। सबसे पहला जलमार्ग यूपी में काशी से हल्दिया के बीच बना है।

यूपी में मास भी, मोमेंटम भी

शाह ने कहा कि भौतिक विज्ञान का नियम है, ई इक्वल टू एमसी स्क्वायर। यहां यूपी में अब मास भी है और मोमेंटम भी। सबसे अधिक आबादी, सबसे ज्यादा योजनाएं, सबसे अधिक संभावना। मां गंगा, यमुना की कृपा है कि आज भी हाथ से फिसलने वाले मत से पानी आता है। उम्मीद है कि यूपी पीएम मोदी की फाइव ट्रिलियन इकॉनमी के लक्ष्य को पूरा कराएगा।

पहले जो 'वेस्ट' था, अब है 'बेस्ट'

लखनऊ। समिट में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि नेतृत्व बदल जाने से परिदृश्य कैसे बदल जाता है, देश और उत्तर प्रदेश इसका जीता-जागता उदाहरण है। पहले यूपी में निवेश को वेस्ट (व्यर्थ) समझा जाता था, पर आज उसे बेस्ट (सबसे अच्छा) समझा जाता है। आज यूपी अपने नाम 'अप' को साकार कर रहा है।

राजनाथ ने कहा कि आज यूपी का मतलब है : हेल्थ-अप, एजुकेशन-अप, इंफ्रास्ट्रक्चर-अप, इन्वेस्टमेंट-अप और इन्वेस्टमेंट का रिटर्न-अप। उन्होंने कहा कि देश ने ऐसा भी समय देखा है, जब लोग व्यवसाय के क्षेत्र में आने से कतराते थे। छद्म धर्म-निरपेक्ष की धारणा ने स्थापित उद्योगों को रोका। लेकिन, विगत कुछ वर्षों से लोगों ने स्थापित निर्णय लेने शुरू किए हैं। सबसे पहला जलमार्ग यूपी में काशी से हल्दिया के बीच बना है।

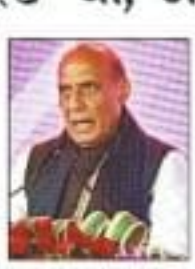

अपने नाम 'अप' को साकार कर रहा यूपी

व्यवसाय समुदाय के प्रति एक नई सोच पैदा हुई है। बिजनेस कम्युनिटी के लिए आज के नियम-कायदे रेड टेप नहीं, बल्कि रेड कार्पेट दिखाते हैं। आज बिजनेस कम्युनिटी को वेल्थ क्रिएटर (धन पैदा करने वाले) और सामाजिक विकास में कंट्रीब्यूटर (योगदान देने वाला) माना जाता है। राजनाथ ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने सार्वजनिकरण की जो राह दिखाई थी, पीएम मोदी के नेतृत्व में देश आज उसी पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। पीएम मोदी के नेतृत्व में देश ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। बहुत

गुजरात का टूटा रिकॉर्ड, यूपी बना निवेश का सिरमौर

शुरुआती लक्ष्य से तीन गुना ज्यादा हुआ निवेश, गुजरात में हुए थे 15 लाख करोड़ के करार

सचिन मुद्गल

लखनऊ। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023 में 32.92 लाख करोड़ रुपये के निवेश एमओयू साइन कर उत्तर प्रदेश ने बाइबेट गुजरात समिट और इन्वेस्ट मध्य प्रदेश समिट का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। इतनी बड़ी निवेश राशि के करार और 92 लाख की रोजगार का वादा कर प्रदेश ने नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

अब तक के बाइबेट गुजरात समिटों में अधिकतम 15 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। इसी साल जनवरी में मध्यप्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में 15 लाख करोड़ रुपये के निवेश करार हुए थे। सीएम शिवराज सिंह चौहान ने 29 लाख लोगों को रोजगार देने का दावा किया है। राजस्थान में अक्तूबर 2022 में आयोजित इन्वेस्टर्स समिट में 11 लाख करोड़ रुपये के करार हुए थे। सीएम अशोक गहलोत ने दस लाख लोगों को रोजगार मिलने का दावा किया था। ओडिशा में 2022 के इन्वेस्टर्स समिट में दस लाख करोड़ के करार का दावा किया गया था। अप्रैल 2022 में आयोजित बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट में 3.42 लाख करोड़ रुपये के करार हुए थे। इसी तरह इन्वेस्ट कर्नाटक-2022 में 9.8 लाख करोड़ के करार हुए थे।

दूसरे प्रदेशों के लिए बनेगी चुनौती : आंध्र सरकार 3-4 मार्च को विशाखापट्टनम में इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन करेगी। महाराष्ट्र में भी इसी वर्ष समिट प्रस्तावित है। ऐसे में यूपी के रिकॉर्ड ने दूसरे राज्यों के सामने चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रख दिया है।

34 लाख करोड़ से अधिक हो जाएगा निवेश

औद्योगिक विकास निदेशक के अपर मुख्य सचिव अरविंद कुमार का कहना है कि 32.92 लाख करोड़ के करार में रिलायंस ग्रुप के 75 हजार करोड़ रुपये के निवेश शामिल नहीं हैं। अशोक हिंदुजा ग्रुप ने शुक्रवार को 25 हजार करोड़ रुपये निवेश का करार किया है। महाकाल को लगातार प्रस्ताव मिल रहे हैं। इस लिहाज से एमओयू का आंकड़ा 34 लाख करोड़ से अधिक होगा।

40% ज्यादा का निवेश आया जीडीपी से

वित्त वर्ष 2022-23 में यूपी का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 21 लाख करोड़ रुपये अनुमानित है। जबकि, समिट में 32.92 लाख करोड़ रुपये के निवेश के करार हुए हैं। यह जीडीपी से करीब 40 फीसदी अधिक है।

लक्ष्य 11.25 लाख करोड़ का, करार 33 लाख करोड़

सरकार ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023 के लिए शुरुआती निवेश लक्ष्य 11.25 लाख करोड़ रुपये निर्धारित किया था। लेकिन 16 देशों में रोड शो के दौरान हुए 7.30 लाख करोड़ के एमओयू के बाद दिसंबर में निवेश लक्ष्य को बढ़ाकर 17.13 लाख करोड़ रुपये किया गया। वहीं समिट में मुख्यमंत्री ने 32.92 लाख करोड़ रुपये के निवेश करार होने की घोषणा की।

11 दिन में 12 लाख करोड़ के करार : पर 29 जनवरी तक 20,96,774 करोड़ के निवेश के लिए 13,255 करार हुए थे। इसके बाद 9 फरवरी तक (11 दिन में) 22.92 लाख करोड़ रुपये के 18,645 करार किए गए।

>> विशेष कवरेज 2, 3, 4 व 7 और लखनऊ सिटी पेज पर